Department of Sanskrit
Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind
Event: Live Telecast of Sanskrit Play Abhigyan Shakuntalam
25th February, 2025

The department of Sanskrit of Hindu Kanya Mahavidyalaya, Jind presented the live telecast of the drama 'Abhigyan Shakuntalam' written by Mahakavi Kalidas to the student on 25th February, 2025. The event was presided over by the college principal Dr Poonam Mor. On this occasion, Assistant Professor of Sanskrit Dr Neelam Rani addressed the students and said that the drama presented is included in the syllabus of the students in both the sessions of the third year of graduation. It is a famous Sanskrit drama of Mahakavi Kalidas, which is very useful not only from the literary point of view but also from the cultural, moral, historical and teaching point of view. This drama is a wonderful gem of Sanskrit literature, in which the poetic style, figures of speech, rasa and beauty have been displayed excellently. By studying it, the understanding of the depth of Sanskrit language and literary beauty develops. Through this, the students get a live depiction of the traditions of Indian society, lifestyle, political system etc. This is a drama that has given prestige to Indian literature at the global level.

Glimpses and Media Coverage of the Event

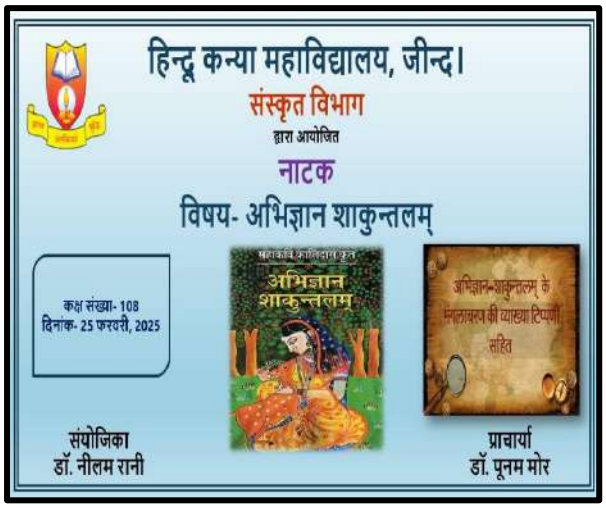

हरिभूमि
बुधवार, 26 फरवरी 2025

जींद। नाटक देखते छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

छात्राओं ने देखा अभिज्ञानशाकुंतलम् नाटक

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा महाकवि कालिदास द्वारा विरचित अभिज्ञानशाकुंतलम् नाटक छात्राओं को दिखाया गया। जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्या डा. पूनम मोर द्वारा की गई। इस अवसर पर संस्कृत प्राध्यापिका डा. नीलम रानी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रस्तुत नाटक स्नातक तृतीय वर्ष के दोनों सत्रों में छात्राओं के पाठ्यक्रम में लगा हुआ है, जोकि महाकवि कालिदास का एक प्रसिद्ध संस्कृत नाटक है। जो न केवल साहित्यिक दृष्टि से बल्कि सांस्कृतिक, नैतिक, ऐतिहासिक और शिक्षण की दृष्टिकोण से भी अत्यंत उपयोगी है। यह नाटक संस्कृत साहित्य का एक अद्भुत रत्न है। जिसमें काव्य शैली, अलंकार, रस और सौंदर्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है। इसका अध्ययन करने से संस्कृत भाषा की गहनता और साहित्यिक सौंदर्य की समझ विकसित होती है।

बुधवार • 26.02.2025
amarujala.com/jind

हिंदू कन्या कॉलेज में छात्राओं ने देखा नाटक

जींद। हिंदू कन्या महाविद्यालय में महा कवि कालिदास की ओर से विरचित अभिज्ञान शाकुंतलम नामक नाटक छात्राओं को दिखाया। प्राचार्य डॉ. पूनम मोर और प्राध्यापिका डॉ. नीलम ने कहा कि प्रस्तुत नाटक स्नातक तृतीय वर्ष के दोनों सत्रों में छात्राओं के पाठ्यक्रम में लगा हुआ है। यह महाकवि कालिदास का एक प्रसिद्ध संस्कृत नाटक है, जो केवल साहित्यिक दृष्टि से बल्कि सांस्कृतिक, नैतिक, ऐतिहासिक और शिक्षण की दृष्टिकोण से भी उपयोगी है। यह नाटक संस्कृत साहित्य का एक अद्भुत रत्न है, जिसमें काव्य शैली, अलंकार, रस और सौंदर्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया है। इसका अध्ययन करने से संस्कृत भाषा की गहनता और साहित्यिक सौंदर्य की समझ विकसित होती है। इसके माध्यम से छात्राओं को तत्कालीन भारतीय समाज, जीवन शैली, राज व्यवस्था, आश्रम परंपरा का सजीव चित्रण का बोध होता है। यह भारतीय साहित्य को वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाने वाला नाटक है। संवाद